

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2023-24 से पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित किया गया है। यह संजीव पास बुक्स पूर्णतः नवीन पुनर्संयोजित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है।

पास बुक्स में नं. 1

संजीव[®]

पास बुक्स

इतिहास-XII

भारतीय इतिहास के कुछ विषय : भाग-1, 2, 3
(कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड मॉडल पेपर 2022-23 एवं बोर्ड पेपर 2023 के प्रश्नों का अन्दर समावेश
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2024

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 360/-

- प्रकाशक :

संजीव प्रकाशन

धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

जयपुर-3

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com

website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- मूल्य : ₹ 360.00

- लेजर कम्पोजिंग :

संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

मनोहर आर्ट प्रिन्टर्स, जयपुर

- ❖ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com

पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन

धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

- ❖ इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- ❖ सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग-1

1. ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ
हड़प्पा सभ्यता 1-34
2. राजा, किसान और नगर
आरम्भिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ
(लगभग 600 ई. पूर्व से 600 ईसवी) 35-67
3. बन्धुत्व, जाति तथा वर्ग
आरम्भिक समाज
(लगभग 600 ई. पूर्व से 600 ईसवी) 68-96
4. विचारक, विश्वास और इमारतें
सांस्कृतिक विकास
(लगभग 600 ईसा पूर्व से ईसा संवत् 600 तक) 97-125

भाग-2

5. यात्रियों के नज़रिए
समाज के बारे में उनकी समझ
(लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक) 126-159
6. भक्ति-सूफी परम्पराएँ
धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ
(लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक) 160-195
7. एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर
(लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक) 196-226
8. किसान, जमींदार और राज्य
कृषि समाज और मुगल साम्राज्य
(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी) 227-262

भाग-3

9. **उपनिवेशवाद और देहात**
(सरकारी अभिलेखों का अध्ययन) 263-290
10. **विद्रोही और राज**
(1857 का आन्दोलन और उसके व्याख्यान) 291-314
11. **महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आन्दोलन**
(सविनय अवज्ञा और उससे आगे) 315-343
12. **संविधान का निर्माण**
(एक नये युग की शुरुआत) 344-364
- मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न** 365-376



उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2023

इतिहास (History)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

- (1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
- (2) सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
- (3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
- (4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
- (5) प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।
- (6) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-‘अ’ (Section-A)

1. बहुविकल्पी प्रश्न : निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

Multiple Choice Questions : Answer the following questions by selecting the correct option and write them in the answer sheet.

- (i) सिन्धु सभ्यता का स्थल, बनावली, निम्न में से किस राज्य में स्थित है? 1
(अ) हरियाणा (ब) राजस्थान (स) पंजाब (द) गुजरात
- (ii) किस राज्य को प्राचीन काल में मगध कहा जाता था? 1
(अ) राजस्थान (ब) बिहार (स) गुजरात (द) महाराष्ट्र
- (iii) हस्तिनापुर का उत्खनन कार्य किस पुरातत्त्ववेत्ता द्वारा किया गया? 1
(अ) एम.के. सुण्डा (ब) आर.के. रैवाड़ (स) बी.बी. लाल (द) जी.के. शर्मा
- (iv) कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की दरगाह कहाँ स्थित है? 1
(अ) अजमेर (ब) पटना (स) पानीपत (द) दिल्ली
- (v) हम्पी को राष्ट्रीय स्थल के रूप में मान्यता कब मिली? 1
(अ) 1976 (ब) 1977 (स) 1978 (द) 1979
- (vi) विजयनगर साम्राज्य में सेना प्रमुखों को क्या कहा जाता था? 1
(अ) राय (ब) नायक (स) ख्वाजा (द) सुलतान
- (vii) ‘आईन-ए-अकबरी’ पुस्तक का लेखक कौन था? 1
(अ) अबुल फजल (ब) इब्न बतूता (स) अल-बिरूनी (द) बर्नियर
- (viii) मुगल वंश का अंतिम शासक कौन था? 1
(अ) अकबर (ब) बहादुरशाह जफर (स) जहाँगीर (द) शाहजहाँ
- (ix) अंग्रेजों द्वारा अवध का अधिग्रहण किस वर्ष किया गया? 1
(अ) 1854 (ब) 1855 (स) 1856 (द) 1857
- (x) प्रान्तीय संसदों के गठन के लिए पहली बार चुनाव कब कराये गये? 1
(अ) 1930 (ब) 1933 (स) 1939 (द) 1937
- (xi) प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे? 1
(अ) बी.आर. अम्बेडकर (ब) राजेन्द्र प्रसाद (स) एस.एन. मुखर्जी (द) के.एम. मुंशी
- (xii) रॉयल इंडियन नेवी के सिपाहियों का विद्रोह कब हुआ? 1
(अ) 1942 (ब) 1946 (स) 1939 (द) 1936

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

Fill in the blanks :

- (i) चाणक्य मौर्य शासक.....के मन्त्री थे। 1
Chanakya was the minister of Maurya ruler.....

- (ii) शक शासक रुद्रदामन द्वारा.....सरोवर का जीर्णोद्धार करवाया गया। 1
.....lake was rebuilt by the Shaka ruler Rudradaman.
- (iii) इब्न बतूता के यात्रा वृत्तांत का नाम.....है। 1
The name of Ibn Battuta's travelogue is
- (iv) शेख निजामुद्दीन औलिया के अनुयायी उन्हें..... कहकर सम्बोधित करते थे। 1
The disciples of Nizamuddin Auliya addressed him as
- (v) 1756 में बंगाल के नवाब.....ने कलकत्ता पर हमला किया। 1
....., the Nawab of Bengal, attacked Calcutta in 1756.
3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न : निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।
Very Short Answer Type Questions : Answer the following questions in **one word or one line**.
- (i) कैबिनेट मिशन को भारत क्यों भेजा गया? 1
Why was the Cabinet Mission sent to India?
- (ii) महात्मा गाँधी ने दलित जातियों के लिए पृथक् निर्वाचन की माँग का विरोध क्यों किया? 1
Why did Mahatma Gandhi oppose the demand of separate electorates for Depressed castes?
- (iii) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 356 में क्या प्रावधान किया गया है? 1
What provision has been made in Article 356 of the Indian Constitution?
- (iv) भारतीय संविधान निर्माण में किन दो प्रशासनिक अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा? $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=1$
Which two administrative officers had an important contribution in the making of Indian Constitution?
- (v) सिंधु घाटी सभ्यता के निवासियों के लिए सेलखड़ी पत्थर की क्या उपादेयता थी? 1
What was the utility of steatite stone for the inhabitants of the Indus Valley Civilization?
- (vi) 1920 के दशक में भारत में साम्प्रदायिक तनाव के कोई दो कारण लिखिए। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=1$
Write any two causes of communal tension in India of 1920s.
- (vii) प्रयाग प्रशस्ति की रचना किस भाषा में की गई? 1
In which language was Prayaga Prashasti composed?
- (viii) नयनार कौन थे? 1
Who were the Nayanars?
- (ix) तालीकोटा के युद्ध का अन्य नाम क्या है? 1
What was the other name of Battle of Talikota?
- (x) एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल की स्थापना किसने की? 1
Who founded the Asiatic Society of Bengal?
- (xi) गेटवे ऑफ इंडिया किस स्थापत्य शैली का उदाहरण है? 1
The Gateway of India is an example of which architectural style?
- (xii) जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड कब हुआ? 1
When did the Jallianwala Bagh massacre take place?

खण्ड- 'ब' (Section-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न (उत्तर शब्द-सीमा : लगभग 50 शब्द)

Short Answer Type Questions : (Answer word-limit approx. 50 words)

4. प्राचीन काल में चाण्डाल कौन होते थे? 2
Who were the Chandals in ancient times?
5. बौद्ध दर्शन की किन्हीं दो महत्वपूर्ण मान्यताओं का उल्लेख कीजिए। 1+1=2
Mention any two important beliefs of Buddhist Philosophy.

6. पंच महाव्रत से आप क्या समझते हैं? 2
What do you understand by Panch Mahavrata?
7. स्तूप को परिभाषित कीजिए। 2
Define Stupa.
8. बर्नियर ने मुगलकालीन शहरों को 'शिविर नगर' क्यों कहा? 2
Why has Bernier called Mughal cities as 'Camp Cities'?
9. इब्नबतूता को मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा कौन-कौनसी जिम्मेदारियाँ दी गई? 1+1=2
What responsibilities were given to Ibn Battuta by Muhammad bin Tughlaq?
10. कृष्णदेव राय की किन्हीं दो विजयों का वर्णन कीजिए। 1+1=2
Describe any two victories of Krishnadeva Raya.
11. 'मंजिल-आबादी' और 'सिपह-आबादी' से आप क्या समझते हैं? 1+1=2
What do you understand by 'Manzil-abadi' and 'Sipah-abadi'?
12. अकबर के शासनकाल में भूमि का वर्गीकरण कितने भागों में किया गया? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए। 1+1/2+1/2=2
Into how many parts was the land classified during the reign of Akbar? Mention any two.
13. अबुल फजल की हत्या कब और किसने की? 1+1=2
When and who killed Abul Fazal?
14. इस्तमरारी बंदोबस्त के सम्बन्ध में 'सूर्यास्त कानून' क्या था? 2
What was the 'Sunset Law' regarding permanent settlement?
15. संथाल विद्रोह के कोई दो कारण लिखिए। 1+1=2
Write any two causes of Santhal Rebellion.
16. मुस्लिम लीग ने कैबिनेट मिशन के प्रस्तावों को अस्वीकार क्यों कर दिया? 2
Why did the Muslim League reject the proposals of the cabinet mission?

खण्ड-'स' (Section-C)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (उत्तर शब्द-सीमा : लगभग 100 शब्द)

Long Answer Type Questions : (Answer word-limit approx. 100 words)

17. सिद्ध कीजिए कि औपनिवेशिक शहर नए शासकों की वाणिज्यिक संस्कृति को प्रतिबिम्बित करते थे? 3
Prove that the colonial cities reflected the commercial culture of the new rulers.
18. 1857 के विद्रोह में मौलवी अहमदुल्ला शाह के योगदान का उल्लेख कीजिए। 3
Mention the contribution of Maulvi Ahmadullah Shah in the revolt of 1857.
19. कबीर के मुख्य उपदेशों का वर्णन कीजिए। 3
Describe the main teachings of Kabir.
20. मेगस्थनीज द्वारा उल्लेखित मौर्यकालीन सैन्य प्रशासन का वर्णन कीजिए। 3
Describe the Mauryan Military administration mentioned by Megasthenes.

खण्ड-'द' (Section-D)

निबन्धात्मक प्रश्न : (उत्तर शब्द-सीमा : लगभग 250 शब्द)

Essay Type Questions : (Answer word-limit approx. 250 words)

21. सिंधु घाटी सभ्यता के गृह स्थापत्य पर प्रकाश डालिए। 4
Throw light on the Domestic architecture of the Indus Valley Civilization.
अथवा/OR
मोहनजोदड़ो के विशाल स्नानागार की बनावट व महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the design and importance of the great bath of Mohenjodaro.
22. असहयोग आन्दोलन का मूल्यांकन कीजिए। 4
Evaluate the non-cooperation movement.

अथवा/OR

सिद्ध कीजिए कि स्वतन्त्रता बाद के महीने महात्मा गाँधी के जीवन के 'श्रेष्ठतम क्षण' थे।

4

Prove that the months after Independence were the 'Finest Hour' of Mahatma Gandhi's life.

23. भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए : 5×1=5
- (अ) गुजरात (ब) कलकत्ता (स) बनारस (द) झांसी
(य) दिल्ली

Mark the following Historical places in the outline map of India :

- (a) Gujarat (b) Calcutta (c) Benaras (d) Jhansi
(e) Delhi

अथवा/OR

भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए :

- (अ) बम्बई (ब) आगरा (स) कटक (द) अहमदाबाद
(य) मेरठ

Mark the following Historical places in the outline map of India :

- (a) Bombay (b) Agra (c) Cuttack (d) Ahmedabad
(e) Meerut
-

इतिहास कक्षा-XII

भारतीय इतिहास के कुछ विषय : भाग-1

1. ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ हड़प्पा सभ्यता

पाठ-सार

1. **हड़प्पा सभ्यता**—सिन्धुघाटी सभ्यता को हड़प्पा संस्कृति भी कहा जाता है। इस सभ्यता का नामकरण, हड़प्पा नामक स्थान के नाम पर किया गया है, जहाँ यह संस्कृति पहली बार खोजी गई थी। हड़प्पा सभ्यता का काल निर्धारण लगभग 2600 और 1900 ईसा पूर्व के बीच किया गया है। इस क्षेत्र में इस सभ्यता से पहले और बाद में भी संस्कृतियाँ अस्तित्व में थीं, जिन्हें क्रमशः आरम्भिक तथा परवर्ती हड़प्पा कहा जाता है। इन संस्कृतियों से हड़प्पा सभ्यता को अलग करने के लिए कभी-कभी इसे विकसित हड़प्पा संस्कृति भी कहा जाता है।

2. **आरम्भिक हड़प्पा संस्कृतियाँ**—इस क्षेत्र में विकसित हड़प्पा से पहले की कई संस्कृतियाँ अस्तित्व में थीं। ये संस्कृतियाँ अपनी विशिष्ट मृदभाण्ड शैली से सम्बद्ध थीं। इसके संदर्भ में हमें कृषि, पशुपालन तथा कुछ शिल्पकारी के साक्ष्य भी मिलते हैं।

3. **निर्वाह के तरीके**—विकसित हड़प्पा संस्कृति कुछ ऐसे स्थानों पर पनपी जहाँ पहले आरम्भिक हड़प्पा संस्कृतियाँ अस्तित्व में थीं। हड़प्पा सभ्यता के निवासी कई प्रकार के पेड़-पौधों से प्राप्त उत्पाद तथा जानवरों से प्राप्त भोजन करते थे। ये लोग गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना, तिल, बाजरा, चावल आदि का सेवन करते थे। ये लोग भेड़, बकरी, भैंस तथा सूअर के मांस का भी सेवन करते थे। हड़प्पा स्थलों से भेड़, बकरी, भैंसे, सूअर आदि जानवरों की हड्डियाँ प्राप्त हुई हैं। ये मछली का भी सेवन करते थे।

4. **कृषि प्रौद्योगिकी**—हड़प्पा-निवासी बैल से परिचित थे। पुरातत्वविदों की मान्यता है कि खेत जोतने के लिए बैलों का प्रयोग होता था। चोलिस्तान के कई स्थलों से तथा बनावली (हरियाणा) से मिट्टी से बने हल के प्रतिरूप मिले हैं। कालीबंगन नामक स्थान पर जुते हुए खेत का साक्ष्य मिला है। कुछ पुरातत्वविदों के अनुसार हड़प्पा सभ्यता के लोग लकड़ी के हथों में बिठाए गए पत्थर के फलकों तथा धातु के औजारों का प्रयोग करते थे।

5. **मोहनजोदड़ो : एक नियोजित शहर**—मोहनजोदड़ो बस्ती दो भागों में विभाजित है। एक छोटा परन्तु ऊँचाई पर बनाया गया। दूसरा अधिक बड़ा परन्तु नीचे बनाया गया। पुरातत्वविदों ने इन्हें क्रमशः दुर्ग और निचला शहर का नाम दिया है। दुर्ग को दीवार से घेरा गया था, जिसका अर्थ है कि इसे निचले शहर से अलग किया गया था। मोहनजोदड़ो का दूसरा भाग निचला शहर था जो दीवार से घेरा गया था। यहाँ कई भवनों को ऊँचे चबूतरों पर बनाया गया था जो नींव का कार्य करते थे। पहले बस्ती का नियोजन किया गया था, फिर उसके अनुसार उसका कार्यान्वयन किया गया। ईंटें एक निश्चित अनुपात में होती थीं। ये धूप में सुखाकर अथवा भट्टी में पका कर बनाई गई थीं।

6. **नालों का निर्माण**—सड़कों या गलियों को लगभग एक 'ग्रिड' पद्धति में बनाया गया था। ऐसा प्रतीत होता है कि पहले नालियों के साथ गलियों को बनाया गया था और फिर उनके अगल-बगल आवासों का निर्माण किया गया था। घरों के गन्दे पानी को गलियों की नालियों से जोड़ा गया था। हर आवास गली में नालियों का निर्माण किया गया था। मुख्य नाले ईंटों से बने थे और उन्हें ईंटों से ढका गया था।

7. **गृह स्थापत्य**—मोहनजोदड़ो का निचला शहर आवासीय भवनों के उदाहरण प्रस्तुत करता है। कई भवन एक आँगन पर केन्द्रित थे जिसके चारों ओर कमरे बने थे। आँगन खाना पकाने, कताई करने जैसी गतिविधियों का केन्द्र था। प्रत्येक मकान में एक स्नानघर होता था। कई मकानों में कुएँ थे। मोहनजोदड़ो में 700 कुएँ थे। मकानों में भूमि तल पर बनी दीवारों में खिड़कियाँ नहीं थीं।

8. दुर्ग—मोहनजोदड़ो में दुर्ग पर अनेक संरचनाएँ थीं जिनमें माल गोदाम तथा विशाल स्नानागार उल्लेखनीय थे। माल गोदाम एक ऐसी विशाल संरचना है जिसके ईंटों से बने केवल निचले हिस्से शेष हैं। विशाल स्नानागार आँगन में बना एक आयताकार जलाशय है जो चारों ओर से एक गलियारे से घिरा हुआ है। जलाशय के तल तक जाने के लिए दो सीढ़ियाँ बनी हुई थीं। इसके उत्तर में एक छोटी संरचना थी जिसमें आठ स्नानागार बने हुए थे।

9. शवाधान—सामान्यतया मृतकों को गर्तों में दफनाया जाता था। मृतकों के साथ मृदभाण्ड, आभूषण, शंख के छल्ले, ताँबे के दर्पण आदि वस्तुएँ भी दफनाई जाती थीं।

10. विलासिता की वस्तुओं की खोज—फर्ग्युसन (घिसी हुई रेत अथवा बालू तथा रंग और चिपचिपे पदार्थ के मिश्रण को पकाकर बनाया गया पदार्थ) के छोटे पात्र सम्भवतः कीमती माने जाते थे क्योंकि इन्हें बनाना कठिन था। महंगे पदार्थों से बनी दुर्लभ वस्तुएँ सामान्यतः मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसी बड़ी बस्तियों में ही मिलती हैं, छोटी बस्तियों में ये विरले ही मिलती हैं।

11. शिल्प-उत्पादन के विषय में जानकारी—चन्द्रदड़ो नामक बस्ती पूरी तरह से शिल्प-उत्पादन में लगी हुई थी। शिल्प कार्यों में मनके बनाना, शंख की कटाई, धातुकर्म, मुहर निर्माण तथा बाट बनाना सम्मिलित थे। मनके जैस्पर, स्फटिक, क्वार्ट्ज, सेलखड़ी जैसे पत्थर, ताँबा, काँसा तथा सोने जैसी धातुओं, शंख आदि से बनाए जाते थे। नागेश्वर तथा बालाकोट शंख से बनी हुई वस्तुओं के प्रसिद्ध केन्द्र थे। यहाँ शंख से चूड़ियाँ, करछियाँ, पच्चीकारी की वस्तुएँ बनाई जाती थीं।

12. उत्पादन केन्द्रों की पहचान—शिल्प-उत्पादन में केन्द्रों की पहचान के लिए पुरातत्वविद सामान्यतः इन चीजों को ढूँढ़ते हैं—प्रस्तरपिंड, पूरा शंख, ताँबा-अयस्क जैसा कच्चा माल, औजार, अपूर्ण वस्तुएँ, त्याग किया गया माल तथा कूड़ा-करकट।

13. माल प्राप्त करने सम्बन्धी नीतियाँ—बैलगाड़ियाँ सामान तथा लोगों के लिए स्थलमार्गों द्वारा परिवहन का एक महत्त्वपूर्ण साधन थीं। सिन्धु नदी तथा इसकी उपनदियों के आस-पास बने नदी-मार्गों और तटीय मार्गों का भी प्रयोग किया जाता था।

14. उपमहाद्वीप तथा उसके आगे से आने वाला माल—नागेश्वर तथा बालाकोट से शंख प्राप्त किये जाते थे। नीले रंग का कीमती पत्थर लाजवर्द मणि को शोर्तुघई (सुदूर अफगानिस्तान) से, गुजरात में स्थित भड़ौच से कार्नीलियन, दक्षिणी राजस्थान तथा उत्तरी गुजरात से सेलखड़ी और धातु राजस्थान से मंगाई जाती थी। लोथल इनके स्रोतों के निकट स्थित था। राजस्थान के खेतड़ी आँचल (ताँबे के लिए) तथा दक्षिणी भारत (सोने के लिए) को अभियान भेजे जाते थे।

15. सुदूर क्षेत्रों से सम्पर्क—पुरातात्विक खोजों से पता चलता है कि ताँबा सम्भवतः अरब प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी छोर पर स्थित ओमान से भी लाया जाता था। मेसोपोटामिया के लेख से ज्ञात होता है कि कार्नीलियन, लाजवर्द मणि, ताँबा, सोना आदि मेलुहा से प्राप्त किये जाते थे।

16. मुहरें और मुद्रांकन—मुहरों और मुद्रांकनों का प्रयोग लम्बी दूरी के सम्पर्कों को सुविधाजनक बनाने के लिए होता था।

17. एक रहस्यमय लिपि—हड़प्पाई मुहरों पर कुछ लिखा हुआ है जो सम्भवतः मालिक के नाम और पदवी को दर्शाता है। यह लिपि आज तक पढ़ी नहीं जा सकी है। सम्भवतः यह लिपि दायीं से बायीं ओर लिखी जाती थी।

18. बाट—विनिमय बाटों की एक सूक्ष्म या परिशुद्ध प्रणाली द्वारा नियन्त्रित थे। ये सामान्यतया घनाकार होते थे। इन बाटों के निचले मानदंड द्विआधारी (1, 2, 4, 8, 16, 32 इत्यादि) थे जबकि ऊपरी मानदंड दशमलव प्रणाली का अनुसरण करते थे। छोटे बाटों का प्रयोग सम्भवतः आभूषणों और मनकों को तौलने के लिए किया जाता था।

19. प्राचीन सत्ता—हड़प्पाई पुरावस्तुओं में जैसे-मुहरों, बाटों, ईंटों आदि में एकरूपता थी। बस्तियाँ विशेष स्थानों पर आवश्यकतानुसार स्थापित की गई थीं। इन सभी क्रियाकलापों को कोई राजनीतिक सत्ता संगठित करती थी।

20. प्रासाद तथा शासक—कुछ पुरातत्वविदों का मत है कि मोहनजोदड़ो में एक विशाल भवन मिला है, वह एक राज-प्रासाद ही है। कुछ पुरातत्वविदों की मान्यता है कि हड़प्पाई समाज में शासक नहीं थे तथा सभी की

सामाजिक स्थिति समान थी। कुछ पुरातत्वविदों के अनुसार यहाँ कई शासक थे। कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि यह एक ही राज्य था।

21. हड़प्पा सभ्यता का अन्त—लगभग 1800 ई. पूर्व तक चोलिस्तान में अधिकांश विकसित हड़प्पा स्थलों को त्याग दिया गया था। सम्भवतः उत्तरी हड़प्पा के क्षेत्र 1900 ई. पूर्व के बाद भी अस्तित्व में रहे। हड़प्पा सभ्यता के पतन के कारण थे—(1) जलवायु परिवर्तन (2) वनों की कटाई (3) भीषण बाढ़ (4) नदियों का सूख जाना (5) नदियों का मार्ग बदल लेना (6) भूमि का अत्यधिक उपयोग (7) सुदृढ़ एकीकरण के तत्त्व का अन्त होना।

22. हड़प्पा सभ्यता की खोज—बीसवीं शताब्दी के आरम्भिक दशकों में दयाराम साहनी ने हड़प्पा में कुछ मुहरों की खोज की। राखालदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ो से कुछ मुहरें खोज निकालीं। इन्हीं खोजों के आधार पर 1924 में भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के डायरेक्टर जनरल जॉन मार्शल ने पूरे विश्व के सामने सिन्धुघाटी में एक नवीन सभ्यता की खोज की घोषणा की।

23. कनिंघम का भ्रम—डायरेक्टर जनरल कनिंघम ने उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में पुरातात्विक उत्खनन आरम्भ किए, तब पुरातत्वविद् अपने अन्वेषणों के मार्गदर्शन के लिए लिखित स्रोतों (साहित्य तथा अभिलेख) का प्रयोग अधिक पसन्द करते थे। हड़प्पा जैसा पुरास्थल कनिंघम के अन्वेषण के ढाँचे में उपयुक्त नहीं बैठता था। कनिंघम समझ नहीं पाए कि ये पुरावस्तुएँ कितनी प्राचीन थीं।

24. एक नवीन प्राचीन सभ्यता—बीसवीं शताब्दी के आरम्भिक दशकों में पुरातत्वविदों ने हड़प्पा में मुहरें खोज निकालीं जो निश्चित रूप से आरम्भिक ऐतिहासिक स्तरों से कहीं अधिक प्राचीन स्तरों से सम्बद्ध थीं एवं इनके महत्त्व को समझा जाने लगा। खोजों के आधार पर 1924 में भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के डायरेक्टर जनरल जॉन मार्शल ने पूरे विश्व के समक्ष सिन्धु घाटी में एक नवीन सभ्यता की खोज की घोषणा की।

25. नई तकनीकें तथा प्रश्न—हड़प्पा सभ्यता के प्रमुख स्थल अब पाकिस्तान के क्षेत्र में हैं। इसी कारण से भारतीय पुरातत्वविदों ने भारत में पुरास्थलों को चिह्नित करने का प्रयास किया। कच्छ में हुए सर्वेक्षणों से कई हड़प्पा बस्तियाँ प्रकाश में आईं तथा पंजाब और हरियाणा में किए गए अन्वेषणों से हड़प्पा स्थलों की सूची में कई नाम और जुड़ गए हैं। कालीबंगन, लोथल, राखीगढ़ी, धौलावीरा की खोज इन्हीं प्रयासों का हिस्सा है। 1980 के दशक से हड़प्पा और मोहनजोदड़ो में उपमहाद्वीप के तथा विदेशी विशेषज्ञ संयुक्त रूप से कार्य करते रहे हैं।

26. अतीत को जोड़कर पूरा करने की समस्याएँ—मृदभाण्ड, औजार, आभूषण, घरेलू सामान आदि भौतिक साक्ष्यों से हड़प्पा सभ्यता के बारे में जानकारी प्राप्त हो सकती है।

27. खोजों का वर्गीकरण—वर्गीकरण का एक सामान्य सिद्धान्त प्रयुक्त पदार्थों जैसे—पत्थर, मिट्टी, धातु, अस्थि, हाथीदाँत आदि के सम्बन्ध में होता है। दूसरा सिद्धान्त उनकी उपयोगिता के आधार पर होता है। कभी-कभी पुरातत्वविदों को अप्रत्यक्ष साक्ष्यों का सहारा लेना पड़ता है। पुरातत्वविदों को संदर्भ की रूपरेखाओं को विकसित करना पड़ता है।

28. व्याख्या की समस्याएँ—पुरातात्विक व्याख्या की समस्याएँ सम्भवतः सबसे अधिक धार्मिक प्रथाओं के पुनर्निर्माण के प्रयासों में सामने आती हैं। कुछ वस्तुएँ धार्मिक महत्त्व की होती थीं। इनमें आभूषणों से लदी हुई नारी मृण्मूर्तियाँ शामिल हैं। इन्हें मातृदेवी की संज्ञा दी गई है। कुछ मुहरों पर पेड़-पौधे उत्कीर्ण हैं। ये प्रकृति की पूजा के संकेत देते हैं। कुछ मुहरों पर एक व्यक्ति योगी की मुद्रा में बैठा दिखाया गया है। उसे 'आद्य शिव' की संज्ञा दी गई है। पत्थर की शंक्वाकार वस्तुओं को लिंग के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

कालरेखा 1	
आरम्भिक भारतीय पुरातत्व के प्रमुख कालखंड	
20 लाख वर्ष (वर्तमान से पूर्व)	निम्न पुरापाषाण
80,000	मध्य पुरापाषाण
35,000	उच्च पुरापाषाण

12,000	मध्य पाषाण
10,000	नवपाषाण (आरम्भिक कृषक तथा पशुपालक)
6,000	ताम्रपाषाण (ताँबे का पहली बार प्रयोग)
2600 ई. पूर्व	हड़प्पा सभ्यता
1000 ई. पूर्व	आरम्भिक लौहकाल, महापाषाण शवाधान
600 ई. पूर्व-400 ई. पूर्व	आरम्भिक ऐतिहासिक काल

सभी तिथियाँ अनुमानित हैं। इसके अतिरिक्त उपमहाद्वीप के अलग-अलग भागों में हुए विकास की प्रक्रिया में व्यापक विविधताएँ हैं। यहाँ दी गई तिथियाँ हर चरण के प्राचीनतम साक्ष्य को इंगित करती हैं।

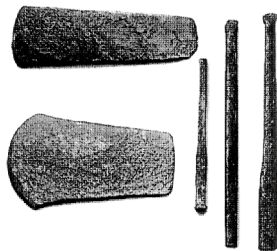
कालरेखा 2 हड़प्पाई पुरातत्व के विकास के प्रमुख चरण	
उन्नीसवीं शताब्दी 1875	हड़प्पाई मुहर पर कनिंघम की रिपोर्ट
बीसवीं शताब्दी	
1921	माधो स्वरूप वत्स द्वारा हड़प्पा में उत्खननों का आरम्भ
1925	मोहनजोदड़ो में उत्खननों का प्रारम्भ
1946	आर.ई.एम. व्हीलर द्वारा हड़प्पा में उत्खनन
1955	एस.आर. राव द्वारा लोथल में खुदाई का आरम्भ
1960	बी.बी. लाल तथा बी.के. थापर के नेतृत्व में कालीबंगन में उत्खननों का आरम्भ
1974	एम.आर. मुगल द्वारा बहावलपुर में अन्वेषणों का आरम्भ
1980	जर्मन-इतालवी संयुक्त दल द्वारा मोहनजोदड़ो में सतह-अन्वेषणों का आरम्भ
1986	अमरीकी दल द्वारा हड़प्पा में उत्खननों का आरम्भ
1990	आर.एस. बिष्ट द्वारा धौलावीरा में उत्खननों का आरम्भ

पाठगत प्रश्न

पृष्ठ संख्या 4

प्रश्न 1. क्या आपको लगता है कि इन औजारों का प्रयोग फसल कटाई के लिए किया जाता होगा ?

उत्तर—पुरातत्वविदों ने फसलों की कटाई के लिए प्रयुक्त औजारों को पहचानने का प्रयास भी किया है। इसके लिए हड़प्पा सभ्यता के लोग लकड़ी के हथों में बिटाए गए पत्थर के फलकों का प्रयोग करते थे या फिर वे धातु के औजारों का प्रयोग करते होंगे। इन औजारों को



चित्र : धातु के औजार

देखने से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि इनका प्रयोग फसलों की कटाई के लिए किया जाता होगा।

पृष्ठ संख्या 4 : चर्चा कीजिए

प्रश्न 2. आहार सम्बन्धी आदतों को जानने के लिए पुरातत्वविद किन साक्ष्यों का इस्तेमाल करते हैं ?

उत्तर—आहार सम्बन्धी आदतों को जानने के लिए पुरातत्वविद निम्नलिखित साक्ष्यों का प्रयोग करते हैं—

(1) जले अनाज के दानों तथा बीजों की खोज—जले अनाज के दानों तथा बीजों की खोज से पुरातत्वविद आहार सम्बन्धी आदतों के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं। इनका अध्ययन पुरा-वनस्पतिज्ञ करते हैं जो प्राचीन वनस्पति के अध्ययन के विशेषज्ञ होते हैं। अनाज के दानों में गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना तथा तिल शामिल हैं। बाजरे के दाने गुजरात के स्थलों से प्राप्त हुए थे।

(2) जानवरों की हड्डियाँ—हड़प्पा-स्थलों से मिली जानवरों की हड्डियों में पशुओं भेड़, बकरी, भैंसे या सूअर